(a) whether it is a fact that repeated incidents of food poisoning are occurring in Delhi due to the non implementation of licencing rules under Rule 49 and 50 PFA Act/Rules 1954 since the last Eighteen years thereby causing great loss to public health and also huge loss of Government revenue;

(b) if so, whether it is also a fact that the Central Government has issued repeated instructions/directions to the authorities of Delhi to implement the provisions of licencing rules in the interest of public health;

(c) if so, the action proposed by Government to take further steps under Section 22(A) of PFA Act/Rules in view of (a) and (b) above; and

(d) if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF HEALTH AND FAMILY WELFARE AND MINISTER OF WATER RESOURCES (SHRI A. R. ANTULAY): (a) As per information recieved from the Govt. of National Capital Terriotry of Delhi, some cases of food poisoning have been reported in Delhi in the past. However, the same cannot be attrtibuted to non-implementation of licensing rules.

(b) Yes, Sir.

(c) and (d) In view of a policy decision taken by the Government of National Capital Territory of Delhi to implement licensing rules, no directions under Section 22-A of PFA Act, 1954 are requried to be issued. Action has been separately initiated by the Govt. of National Capital Territorry of Delhi to creat additional posts for the implementation of licensing rules.

Non-acceptance of Indian currency by duty free shops in Air India's international flights

384. SHRI BHUPINDER SINGH MANN: Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to state:

(a) whether it is a fact that only dollars are accepted by duty free shops in the international flights of Air India; and

(b) if so, the reasons for not accepting Indian currency during such flights?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI GHULAM NABI AZAD): (a) and (b) No, Sir. Besides the US Dollar, 20 other international currencies are accepted for duty free sales on board Air India flights. However, due to restriction imposed by the Reserve Bank of India, Indian rupee is not accepted for duty free sales.

मौलिक सुविधाओं के अभाव में डी०डी०ए० के खाली पड़े फ्लैट

385. **श्री कनक सिंह मोहन सिंह पंगरोला:**
श्री राजनाथ सिंह:

क्या शहरी कार्य और रोजगार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) मौलिक सुविधाओं के अभाव मे डी०डी०ए० के कितने फ्लैट गत वर्ष के दौरान खाली पड़े है;

(ख) खाली पड़े डी०डी०ए० के फ्लैट किन-किन वर्गों/टाइपों के हैं और वे कहां-कहां है और कब से खाली पड़े हैं;

(ग) इन खाली पड़े फ्लैट के परिणामस्वरूप डी०डी०ए० को कितना वित्तीय घाटा हुआ है; और

(घ) सरकार इन फ्लैटों में कब तक मौलिक सुविधायें प्रदान कर देगी?;

शहरी कार्य और रोजगार मंत्रालय शहरी रोजगार और गरीबी उन्मूलन विभाग में राज्य मंत्री (श्री एस० एस० अहलुवालिया): (क) और (ख) दिल्ली विकास प्राधिकरण ने बताया है कि मूलभूत सुविधाओं के अभाव में 21,533 फ्लैट खाली पड़े हैं। इन फ्लैटों का श्रेणी-वार ब्यौरा, उनकी स्थिति खाली रहने की अवधि सहित अनुलग्नक में है। [*देखिये* परिशिष्ट 176, अनुपत्र सं० 16]

713/SEC

(ग) दिल्ली विकास प्राधिकरण ने यह भी बताया है कि फ्लैटों के खाली रहने से हुए नुकसान का निम्नलिखित कारण से आकलन सम्भव नहीं है:—

(I) बिजली मिलने की उम्मीद में बिजली रहित फ्लैटों के आबंटन की प्रक्रिया विभिन्न चरणों में शुरु हुई, लेकिन आबंटन पत्र जारी करने के बाद भी अनेक फ्लैटों में विद्युत नहीं पहुंच पाई हैं। अस्तु पूंजी अवरुद्ध होने के कारण पूर्णतः विद्युत अनुपलब्धता नहीं माना जा सकता।

(II) दिल्ली विकास प्राधिकरण फ्लैटों के आवंटियों से मांगा गया बिक्री मूल्य मांग व आबंटन पत्र जारी करने की तारीख से जुड़ा है इस सूत्र से अवरुद्ध पूंजी का निषेधक प्रभाव काफी कुछ बराबर हो जाता है।

(III) अनुलग्न में एस०एफ०एस० फ्लैट भी शामिल है। इन फ्लैटों का निर्माण पंजीकृत आवेदकों की वित्तीय भागीदारी से शुरु किया जाता है अतः उनमें दिल्ली विकास प्राधिकरण की पूंजी अवरुद्ध नहीं होती है।

(IV) अमान्य फ्लैट पुनः आवंटन पर प्रचलित मूल्यों पर बेचे जाते हैं। विहित मूल्य ह्रास को बिक्री मूल्य के भूमि घटक में वृद्धि करके हिसाब में लिया जाता है।

(घ) सरकार, सम्बन्धित इलाकों में बुनियादी सुविधायें मुहैया कराने की समस्याओं पर दिल्ली विकास प्राधिकरण, दिल्ली विद्युत प्रदाय संस्थान तथा अन्य प्राधिकरणों के साथ विचार-विमर्श कर रही है ताकि ये सुविधाएं मुहैया कराने के लिए एक समयबद्ध कार्यक्रम बनाया जा सके।

इंडियन एयरलाइन्स का घाटे में चलना

386. **श्री इकबाल सिंह:** क्या नागर विमानन और पर्यटन मंत्री यह बताने की की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि इंडियन एयरलान्स को लगातार घाटा हो रहा है;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में पिछले तीन वर्ष के आंकड़े क्या हैं; और

(ग) इस घाटे को दूर करने के लिए सरकार ने अब तक कौन से ठोस उपाय किये हैं और भविष्य में ऐसा घाटा न होने के लिए सरकार द्वारा जिन प्रभावी उपायों पर विशेष बल दिया जा रहा है, उनका ब्यौरा क्या है?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री गुलाब नबी आजाद): (क) और (ख) 1989-90 से इंडियन एयरलाइन्स को हानि हो रही है। विगत तीन वर्षों के दौरान हुई हानि निम्नवत है:—

वर्ष	करोड़ रुपए
1992-93	195.16
1993-94	258.46
1994-95	188.73

(ग) इंडियन एयरलाइन्स की हानि को पूरा करने तथा इसके कार्य निष्पादन को सुधारने के लिए जो विभिन्न उपाय किए गए हैं उनमें मितव्ययिता के तरीके अपनाना, विमान बेड़े का बेहतर उपयोग स्वतंत्र लाभ केन्द्रों की स्थापना तथा उत्पादकता बढ़ाने हेतु प्रोत्साहन शामिल है।

Accident on the Koraput-rayagada Railway line

387. DR. BAPU KALDATE: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether a major accident occurred on the Koraput-Rayagada railway line barely after few hours of its inauguration by the Prime Minister 30.12.95;

(b) if so, the details thereof stating the estimated loss suffered by the Railways as a result thereof;

(c) the outcome of the inquiry conducted into the mishap;

(d) what action has been taken by Government in the matter?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SURESH KALMADI): (a) and (b) On 31.12.1995, 10 wagons of Dn. MDDO-586 Goods train derailed between Rauli and Laliguma stations on Koraput-Ray-